

UPPCS PRE 24 MA ANSWER- 28

1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. 'राष्ट्रीय आय' से आशय किसी देश की अर्थव्यवस्था में चालू वर्ष में उत्पादित सभी अन्तिम वस्तुओं तथा सेवाओं के कुल मौद्रिक रूप से है।
2. 'राष्ट्रीय आय' की सहायता से प्रति व्यक्ति आय, सकल घरेलू उत्पाद एवं विकास दर आदि का अनुमान लगाया जा सकता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 2
(b) न तो 1, न ही 2
(c) केवल 1
(d) 1 और 2 दोनों

1. उत्तर -(d)

- 'राष्ट्रीय आय' से आशय किसी देश की अर्थव्यवस्था में चालू वर्ष में उत्पादित सभी अन्तिम वस्तुओं तथा सेवाओं के कुल मौद्रिक रूप से है।
- 'राष्ट्रीय आय' में सभी प्रकार की वस्तुओं एवं सेवाओं के बाजार मूल्य को लिया जाता है।
- 'राष्ट्रीय आय' की सहायता से प्रति व्यक्ति आय, सकल घरेलू उत्पाद एवं विकास दर आदि का अनुमान लगाया जा सकता है।
- 'राष्ट्रीय आय' की सहायता से विभिन्न राष्ट्रों की विकास दरों की तुलना कर सकते हैं।

अतिरिक्त ज्ञान:

राष्ट्रीय आय

- आर्थिक पद्धति के अनुरूप जिन आर्थिक नीतियों का अवलम्बन एक राष्ट्र करता है, उनसे जो आर्थिक क्रियाएँ सम्पादित होती हैं वे किसी न किसी रूप में आय और उत्पादन से सम्बन्धित होती है।
- अलग-अलग विचारधाराओं पर आधारित आर्थिक नीतियों की सफलता अथवा उपादेयता के अनेक मानदण्ड हो सकते हैं, इनमें राष्ट्रीय आय प्रमुख है।
- राष्ट्रीय आय या राष्ट्रीय लाभांश के द्वारा ही समाज के आर्थिक विकास का स्तर, आर्थिक संवृद्धि की प्रवृत्तियाँ तथा भावी सम्भावनाओं का अनुमान लगाया जा सकता है।
- राष्ट्रीय आय वास्तव में किसी राष्ट्र की सभी आर्थिक क्रियाओं का फल है।
- किसी भी देश की अर्थव्यवस्था एवं व्यवसाय के स्वरूप तथा गतिविधियों की जानकारी वहाँ के राष्ट्रीय आय के आँकड़ों द्वारा भी देखी जा सकती है।

2. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. भारत ने आर्थिक नियोजन 'संयुक्त राज्य अमेरिका' से प्रेरित होकर अपनाया गया था।
2. भारत में आर्थिक नियोजन से संबंधित प्रथम विचार एम. विश्वेश्वरैया ने अपनी पुस्तक 'प्लान्ड इकॉनमी फॉर इंडिया' में प्रस्तुत किया था।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) 1 और 2 दोनों

2. उत्तर -(b)

भारत में आर्थिक नियोजन

- भारत में आर्थिक नियोजन पूर्व 'सोवियत संघ' से प्रेरित होकर अपनाया गया था।
- भारत में आर्थिक नियोजन से संबंधित प्रथम विचार एम. विश्वेश्वरैया ने अपनी पुस्तक 'प्लान्ड इकॉनमी फॉर इंडिया' में प्रस्तुत किया था।
- वर्ष 1944 में मुंबई के 8 उद्योगपतियों ने श्री आदर्श दलाल के

<p>(b) केवल 2 (c) न तो 1, न ही 2 (d) केवल 1</p>	<p>नेतृत्व में 15 वर्षीय पूंजीवादी योजना पेश की, जिसे 'बॉम्बे प्लान' कहा गया।</p> <ul style="list-style-type: none"> जनवरी, 1950 में जयप्रकाश नारायण ने सर्वोदय-योजना के नाम से एक योजना प्रकाशित की थी। सन् 1950 में राष्ट्रकुल के सदस्य देशों ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आर्थिक नियोजन की एक विस्तृत योजना प्रस्तुत की जिसे 'कोलंबो प्लान' (कोलंबो योजना) कहा गया। वर्ष 1950 में 'योजना आयोग' की स्थापना की गई जिसे वर्ष 2015 में 'नीति आयोग' में बदल दिया गया। 6 अगस्त, 1952 में आर्थिक आयोजन के लिए राज्यों एवं योजना आयोग के बीच सहयोग का वातावरण तैयार करने के उद्देश्य से 'राष्ट्रीय विकास परिषद' का गठन किया गया था। <div data-bbox="754 723 1506 1155"> <p><u>अतिरिक्त ज्ञान:</u></p> <ul style="list-style-type: none"> सर्वप्रथम वर्ष 1928 में 'सोवियत संघ' में पहली बार नियोजन को आर्थिक विकास के साधन के रूप में अपनाया गया था। वहाँ की पिछड़ी हुई कृषि तथा औद्योगिक व्यवस्था को आधुनिक औद्योगिक शक्ति में बदलने के उद्देश्य से योजना आरम्भ की गई थी। यह योजना सफल रही तथा इनका अन्य देशों पर भी गहरा प्रभाव पड़ा और इस प्रकार आर्थिक नियोजन का विचार बढ़ता रहा। </div>
<p>3. 'किसी देश की उत्पादन व्यवस्था से एक वर्ष में प्रवाहित होकर अन्तिम उपभोक्ताओं के हाथों में पहुँचने वाली वस्तुओं एवं सेवाओं अथवा पूँजीगत वस्तुओं के स्टॉक में शुद्ध वृद्धि को 'राष्ट्रीय आय' कहते हैं।' उपर्युक्त परिभाषा दी है -</p> <p>(a) प्रो. मार्शल (b) प्रो. पीगू (c) प्रो. साइमन कुजनेट्स (d) प्रो. कोलिन क्लार्क</p>	<p>3. उत्तर -(c) 'राष्ट्रीय आय' की परिभाषा</p> <ul style="list-style-type: none"> प्रो. मार्शल के अनुसार - "देश का श्रम एवं पूँजी उसके प्राकृतिक साधनों पर क्रियाशील होकर प्रति वर्ष भौतिक एवं अभौतिक वस्तुओं के शुद्ध योग का, जिसमें सभी प्रकार की सेवाएँ सम्मिलित होती है, उत्पादन करते हैं। यही देश का वास्तविक शुद्ध आय या राष्ट्रीय लाभांश कहलाता है।" प्रो. पीगू के शब्दों में - "राष्ट्रीय लाभांश समाज की भौतिक या वस्तुगत आय का, जिसमें विदेशों से प्राप्त आय भी सम्मिलित की जाती है, वह भाग जिसको मुद्रा में मापा जा सके।" प्रो. साइमन कुजनेट्स के अनुसार - "किसी देश की उत्पादन व्यवस्था से एक वर्ष में प्रवाहित होकर अन्तिम उपभोक्ताओं के हाथों में पहुँचने वाली वस्तुओं एवं सेवाओं अथवा पूँजीगत वस्तुओं के स्टॉक में शुद्ध वृद्धि को 'राष्ट्रीय आय' कहते हैं।" प्रो. कोलिन क्लार्क के मतानुसार - "किसी विशेष समयावधि में 'राष्ट्रीय आय' को उन वस्तुओं एवं सेवाओं के मौद्रिक मूल्य में व्यक्त करते हैं, जो उस अवधि में उपभोग के लिए उपलब्ध रहती हैं। वस्तुओं एवं सेवाओं का मूल्य उनको प्रचलित विक्रय

	<p>कीमतों पर निकाला जाता है।"</p> <p>अतिरिक्त ज्ञान: "किसी देश की 'राष्ट्रीय आय' साधारणतः वहाँ एक वर्ष में उत्पादित समस्त वस्तुओं एवं सेवाओं के मूल्य का योग होती है, जिसमें से वस्तुओं एवं सेवाओं के उत्पादन हेतु प्रयोग की गयी मशीनों एवं पूँजी की घिसावट को घटा दिया जाता है तथा विदेशों से प्राप्त विशुद्ध आय को जोड़ दिया जाता है।" अतः इस परिभाषा से स्पष्ट है कि -</p> <ul style="list-style-type: none"> • 'राष्ट्रीय आय' किसी देश की एक वर्ष या निश्चित समयावधि की राष्ट्रीय आय है। • यह वस्तुओं एवं सेवाओं दोनों के द्राव्यिक मूल्य का योग है। • इसमें से पूँजी की घिसावट को घटा दिया जाता है। • इसमें विदेशों से प्राप्त विशुद्ध आय को जोड़ दिया जाता है।
<p>4. 'राष्ट्रीय विकास परिषद' के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. इसका गठन 6 अगस्त, 1952 ई० को किया गया था। 2. यह एक सांविधिक निकाय है। 3. केन्द्रीय गृहमंत्री इसके पदेन अध्यक्ष होते हैं। 4. यह एक संघीय निकाय भी है। <p>उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?</p> <p>(a) दो (b) चार (c) एक (d) तीन</p>	<p>4. उत्तर -(a) राष्ट्रीय विकास परिषद</p> <ul style="list-style-type: none"> • भारत सरकार के एक प्रस्ताव द्वारा 6 अगस्त, 1952 ई० को 'राष्ट्रीय विकास परिषद' का गठन हुआ था। • यह एक कार्यकारी निकाय है। यह ना ही संवैधानिक है और न ही एक सांविधिक निकाय है। • 'योजना आयोग' द्वारा निर्मित पंचवर्षीय योजना के अनुमोदन हेतु इसका गठन किया गया था। • प्रधानमंत्री, इसके पदेन अध्यक्ष होते हैं। • भारतीय संघ के सभी राज्यों के मुख्यमंत्री एवं योजना आयोग (अब नीति आयोग) के सभी सदस्य इसके पदेन सदस्य होते हैं। अतः यह एक संघीय निकाय भी है। <p>अतिरिक्त ज्ञान: राष्ट्रीय विकास परिषद में निम्नलिखित सदस्य शामिल हैं -</p> <ul style="list-style-type: none"> • भारतीय प्रधान मंत्री • सभी केंद्रीय कैबिनेट मंत्री • सभी राज्यों के मुख्यमंत्री या उनके स्थानापन्न • केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिनिधि और • नीति आयोग (तत्कालीन योजना आयोग) के सदस्य।
<p>5. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. भारत में 'राष्ट्रीय आय' का अनुमान सर्वप्रथम वर्ष 1868 ई० में दादाभाई नौरोजी ने लगाया था। 2. भारत में 'आर्थिक नियोजन' शुरू करने का प्रयास एम. विश्वेश्वरैया ने अपनी पुस्तक 'प्लान्ड इकोनॉमी फॉर इंडिया' के माध्यम से किया था। <p>उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?</p> <p>(a) केवल 2 (b) 1 और 2 दोनों</p>	<p>5. उत्तर -(b)</p> <ul style="list-style-type: none"> • भारत में 'राष्ट्रीय आय' का अनुमान सर्वप्रथम वर्ष 1868 ई० में दादाभाई नौरोजी ने लगाया था और इनके अनुसार तत्कालीन भारत में प्रति व्यक्ति आय 20 रु. वार्षिक थी। • भारत में आर्थिक नियोजन शुरू करने का प्रयास एक प्रसिद्ध इंजीनियर और राजनीतिज्ञ एम. विश्वेश्वरैया ने वर्ष 1934 में अपनी पुस्तक 'प्लान्ड इकोनॉमी फॉर इंडिया' के माध्यम से किया था। <p>अतिरिक्त ज्ञान:</p>

<p>(c) न तो 1, न ही 2 (d) केवल 1</p>	<ul style="list-style-type: none"> • 'दादाभाई नौरोजी' ब्रिटिशकालीन भारत के एक पारसी बुद्धिजीवी, शिक्षाशास्त्री, कपास के व्यापारी तथा आरम्भिक राजनैतिक एवं सामाजिक नेता थे। उन्हें 'भारत का वयोवृद्ध पुरुष' कहा जाता है। वे युनाइटेड किंगडम के हाउस ऑफ कॉमन्स के सदस्य थे। • वर्ष 1867 में उन्होंने ब्रिटिश जनता के सामने भारतीय दृष्टिकोण रखने के उद्देश्य से लंदन में ईस्ट इंडिया एसोसिएशन की स्थापना की, जो भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के पूर्ववर्ती संगठनों में से एक था।
<p>6. नीचे दो वक्तव्य दिए गए हैं, एक कथन (A) और दूसरा कारण (R) है। कथन (A): 'नाममात्र GDP' का मूल्य 'वास्तविक GDP' के मूल्य से अधिक होता है। कारण (R): 'वास्तविक GDP' की गणना करते समय, मुद्रास्फीति का आंकड़ा 'नाममात्र GDP' से घटाया जाता है। नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए: (a) A तथा R दोनों सही हैं किंतु (R) (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है। (b) A असत्य है, किंतु R सत्य है। (c) A सत्य है, किंतु R असत्य है। (d) A तथा R दोनों सही हैं और (A) का सही स्पष्टीकरण (R) है।</p>	<p>6. उत्तर -(d) नाममात्र सकल घरेलू उत्पाद (GDP) देश के भौगोलिक सीमा के भीतर वर्ष के दौरान उत्पादित सभी वस्तुओं और सेवाओं के मौद्रिक मूल्य को संदर्भित करता है।</p> <ul style="list-style-type: none"> • 'नाममात्र GDP' मौजूदा कीमतों पर वर्तमान GDP को दर्शाता है। • 'नाममात्र GDP' का मूल्य 'वास्तविक GDP' के मूल्य से अधिक होता है क्योंकि इसकी गणना करते समय, मुद्रास्फीति का आंकड़ा 'नाममात्र GDP' से घटाया जाता है। अतः A तथा R दोनों सही हैं और (A) का सही स्पष्टीकरण (R) है। • 'नाममात्र GDP' की मदद से, आप एक ही वित्तीय वर्ष के विभिन्न तिमाहियों के बीच तुलना कर सकते हैं। <p>अतिरिक्त ज्ञान:</p> <ul style="list-style-type: none"> • बाजार कीमत पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद (GNP) = GDP + विदेशों से प्राप्त शुद्ध कारक आय • बाजार कीमत पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद (NNP) = GNP - स्थिर पूंजी का उपभोग या मूल्य ह्रास • बाजार कीमत पर शुद्ध घरेलू उत्पाद (NDP) = NNP - विदेशों से प्राप्त शुद्ध कारक आय • कारक लागत पर शुद्ध घरेलू उत्पाद या शुद्ध घरेलू आय (NDP) = NDP - अप्रत्यक्ष कर + आर्थिक सहायता
<p>7. 'राष्ट्रीय आय' की गणना के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. शब्द 'अंतिम माल' उन वस्तुओं को संदर्भित करता है जिनका बाद की विनिर्माण प्रक्रिया में नियोजित होने के बजाय तुरंत उपभोग किया जाता है। 2. 'मध्यवर्ती वस्तुएँ' वे वस्तुएँ हैं जिनका उपयोग विनिर्माण प्रक्रिया में किया जाता है। <p>उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं? (a) 1 और 2 दोनों</p>	<p>7. उत्तर -(a) राष्ट्रीय आय की गणना की उत्पाद विधि/मूल्य वर्धित विधि</p> <ul style="list-style-type: none"> • राष्ट्रीय आय की गणना, इस पद्धति का उपयोग करके वस्तुओं और सेवाओं के प्रवाह के रूप में की जाती है। एक वर्ष के दौरान, हम किसी अर्थव्यवस्था में उत्पन्न सभी अंतिम वस्तुओं और सेवाओं का मौद्रिक मूल्य निर्धारित करते हैं। • शब्द 'अंतिम माल' उन वस्तुओं को संदर्भित करता है जिनका बाद की विनिर्माण प्रक्रिया में नियोजित होने के बजाय तुरंत उपभोग किया जाता है।

- (b) न तो 1, न ही 2
(c) केवल 2
(d) केवल 1

- 'मध्यवर्ती वस्तुएँ' वे वस्तुएँ हैं जिनका उपयोग विनिर्माण प्रक्रिया में किया जाता है। चूँकि मध्यवर्ती उत्पादों का मूल्य पहले से ही अंतिम वस्तुओं के मूल्य में शामिल होता है, हम मध्यवर्ती वस्तुओं के मूल्य को राष्ट्रीय आय में नहीं गिनते हैं; अन्यथा, माल का मूल्य दोगुना गिना जाएगा।
- इस विधि में मुख्यतः तीन क्षेत्रों को सम्मिलित किया जाता है। प्राथमिक क्षेत्र, द्वितीयक क्षेत्र तथा तृतीय क्षेत्र। तथा इन तीनों क्षेत्रों से 1 वर्ष के भीतर उत्पादित वस्तुओं की मूल्य की गणना की जाती है।

अतिरिक्त ज्ञान:

राष्ट्रीय आय की गणन विधियाँ

- **उत्पादन प्रणाली** - इस प्रणाली में देश के समस्त उद्योगों, कृषि तथा अन्य प्रकार के व्यवसायों की कुल उत्पाद का मूल्य चालू कीमतों पर निकाला जाता है और इससे चल व अचल प्रतिस्थापन घटाकर जो शुद्ध उत्पाद बचती है, वही उस वर्ष की राष्ट्रीय आय होती है। इसका प्रयोग वहाँ किया जाता है जहाँ पर आकड़े उपलब्ध होते हैं।
- **आय प्रणाली** - इस प्रणाली के अन्तर्गत राष्ट्रीय आय का अनुमान देश के विभिन्न व्यक्तियों के दो वर्गों की आय जोड़कर किया जाता है। इसमें सर्वप्रथम आय को पाँच वर्गों में विभाजित किया जाता है।
 1. कर्चचारियों का वेतन
 2. गैर-कम्पनी व्यापारों की आय
 3. व्यक्तियों की किराए की आय
 4. कम्पनियों के लाभ
 5. ब्याज से आय
 - उपरोक्त सभी आय को जोड़कर राष्ट्रीय आय ज्ञात कर ली जाती है।
- **व्यय प्रणाली** - इस प्रणाली के अन्तर्गत राष्ट्रीय आय को ज्ञात करने के लिए वर्ष भर में वस्तुओं व सेवाओं पर किए जाने वाले कुल व्यय को जोड़ा जाता है। व्यय दो मदों पर किया जाता है।
 1. उपभोग वस्तु पर व्यय।
 2. निवेश वस्तुओं पर व्यय।
- **मिश्रित प्रणाली** - इस प्रणाली के अन्तर्गत उत्पादन रीति व आय रीति दोनों का ही प्रयोग किया जाता है। जिन उद्योगों व्यवसायों में उत्पादन से सम्बन्धित आकड़े उपलब्ध होते हैं उनकी उपज के मूल्य को ज्ञात करने के लिए उत्पादन प्रणाली का प्रयोग किया जाता है तथा जिन व्यवसायों में ये आकड़े उपलब्ध नहीं होते, उनमें आय ज्ञात करने के लिए आय प्रणाली का प्रयोग किया जाता है।

8. निम्नलिखित में से कौन-सा/से किसी देश की संभावित

8. उत्तर -(b)

जीडीपी के निर्धारक का/के कारक है/हैं?

1. अर्थव्यवस्था में भौतिक पूंजी का पूर्ण उपयोग।
2. देश के मानव संसाधन का समुचित उपयोग।
3. उत्पादन से जुड़े विभिन्न कारकों की उच्च क्षमता।
4. राजनीतिक स्थिरता।

कूट:

- (a) केवल 1, 2 और 3
(b) 1, 2, 3 और 4
(c) केवल 2, 3 और 4
(d) केवल 1, 3 और 4

- 'संभाव्य जीडीपी' से आशय किसी देश के उत्पादन के कारणों के पूरी तरह से नियोजित होने पर उत्पादित की जा सकने वाली वस्तुओं और सेवाओं के वास्तविक मूल्य से है। यह किसी देश के वर्तमान आर्थिक स्थिति की अपेक्षा **भविष्य में संभावित जीडीपी उत्पादन के उच्चतम स्तर का अनुमान** लगाने का प्रयास करता है जो एक अर्थव्यवस्था को बनाए रखता है।

संभावित जीडीपी के निर्धारक कारक

- अर्थव्यवस्था में भौतिक पूंजी का पूर्ण उपयोग।
- देश के मानव संसाधन का समुचित उपयोग।
- अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में श्रम का इष्टतम वितरण।
- श्रम की उपलब्धता और कौशल क्षमता।
- उत्पादन से जुड़े विभिन्न कारकों की उच्च क्षमता।
- तकनीक में प्रगति।
- प्रतिस्पर्धी बाजार अर्थव्यवस्था।
- राजनीतिक स्थिरता।

अतिरिक्त ज्ञान:

सकल घरेलू उत्पाद (GDP)

- किसी देश में वस्तुओं तथा सेवाओं का कुल उत्पादन का सर्वाधिक माप 'सकल घरेलू उत्पाद' है।
- 'सकल घरेलू उत्पाद' से आशय किसी देश में एक वर्ष में कुल उपभोग, कुल निवेश सरकार द्वारा वस्तुओं एवं सेवाओं का क्रय तथा शुद्ध निर्यात के मौद्रिक मूल्य से है।
- दूसरे शब्दों में कुल घरेलू उत्पाद एक वर्ष में किसी देश की भौगोलिक सीमाओं के अन्दर उत्पादित समस्त वस्तुओं तथा सेवाओं का **द्राव्यिक मूल्य** होता है। यदि इस घरेलू उत्पाद में विदेशों से प्राप्त आय को जोड़ दिया जाये तथा विदेशियों द्वारा हमारे देश में अर्जित आय को घटा दिया जाये तो 'कुल राष्ट्रीय उत्पाद' प्राप्त हो जाता है।

इसे निम्न सूत्र द्वारा व्यक्त कर सकते हैं -

- $\text{कुल राष्ट्रीय उत्पाद} = \text{कुल घरेलू उत्पाद} + \text{निर्यात} - \text{आयात}$

9. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. 'व्यक्तिगत आय' की गणना करते समय किसी अंतरण भुगतान को 'राष्ट्रीय आय' में घटाया जाता है।
2. 'राष्ट्रीय आय' का अर्थ है एक वित्तीय वर्ष में किसी राष्ट्र द्वारा उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं का मौद्रिक मूल्य।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 2
(b) 1 और 2 दोनों
(c) न तो 1, न ही 2
(d) केवल 1

9. उत्तर -(a)

- 'व्यक्तिगत आय' की गणना करते समय किसी अंतरण भुगतान को 'राष्ट्रीय आय' में जोड़ा जाता है।
- 'राष्ट्रीय आय' का अर्थ है एक वित्तीय वर्ष में किसी राष्ट्र द्वारा उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं का मौद्रिक मूल्य।
- 'व्यक्तिगत आय' वह आय है जो राष्ट्र के नागरिकों को व्यक्तिगत रूप में होती है। यह कॉर्पोरेट करों और सामाजिक प्रतिभूतियों के प्रावधानों के लिए किए गए भुगतानों को राष्ट्रीय आय से घटाकर और इसमें सरकारी अंतरण भुगतान, व्यवसाय अंतरण भुगतान और सरकार द्वारा भुगतान किए गए शुद्ध ब्याज को जोड़कर प्राप्त किया जाता है।

अतिरिक्त ज्ञान:

	<ul style="list-style-type: none"> • 'राष्ट्रीय आय' का अर्थ किसी वित्तीय वर्ष के दौरान किसी देश द्वारा उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं का मूल्य है। • भूमि, श्रम, पूंजी और संगठनात्मक क्षमता के उनके योगदान के लिए संसाधनों द्वारा राष्ट्रीय आय अर्जित की जाती है। • किराए, मजदूरी, ब्याज और लाभ के रूप में उत्पादन के कारकों द्वारा प्राप्त आय के योग को 'राष्ट्रीय आय' कहा जाता है।
<p>10. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. 'सकल राष्ट्रीय उत्पाद' किसी देश के आर्थिक उत्पादन के बराबर है जो उसके नागरिक विशेष रूप से उत्पादित करते हैं। 2. वर्तमान में भारत के 'सकल घरेलू उत्पाद' में 'सेवा क्षेत्र' का योगदान 50% से अधिक है। <p>उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?</p> <p>(a) केवल 1 (b) न तो 1, न ही 2 (c) 1 और 2 दोनों (d) केवल 2</p>	<p>10. उत्तर -(c)</p> <ul style="list-style-type: none"> • सकल घरेलू उत्पाद (GPD) एक विशिष्ट समय अवधि में देश की सीमाओं के भीतर उत्पादित सभी तैयार वस्तुओं और सेवाओं का कुल मौद्रिक या बाजार मूल्य है। • सकल राष्ट्रीय उत्पाद (GNP) किसी देश के आर्थिक उत्पादन के बराबर है जो उसके नागरिक विशेष रूप से उत्पादित करते हैं। इसमें नागरिकों की विदेशी आय को शामिल किया गया है, लेकिन घरेलू निवेश से विदेशी नागरिकों की आय को इसमें शामिल नहीं किया गया है। • वर्तमान में भारतीय अर्थव्यवस्था में 'सेवा क्षेत्र' का 53.66% योगदान है। दूसरे स्थान पर औद्योगिक क्षेत्र का योगदान है जो कि जीडीपी में लगभग 28% योगदान देता है। <p>अतिरिक्त ज्ञान: सकल राष्ट्रीय उत्पाद (GNP)</p> <ul style="list-style-type: none"> • केवल भारतीयों द्वारा देश अथवा विदेश में एक वर्ष में किये गये कुल उत्पादित अंतिम वस्तुओं तथा सेवाओं के मौद्रिक मूल्य को 'सकल राष्ट्रीय उत्पाद' या GNP कहते हैं। • सकल घरेलू उत्पाद (GDP) का आकलन करते समय राष्ट्र की सीमाओं के अंतर्गत उत्पादित समस्त वस्तुओं को जोड़ लिया गया था, परन्तु इन वस्तुओं में से कुछ का उत्पादन विदेशियों द्वारा भी किया गया होगा जोकि भारत में निवास कर रहे हैं। अतः GNP को GDP में से विदेश में रह रहे भारतीयों द्वारा उत्पादित मूल्य (X) को जोड़ कर तथा भारत में रह रहे विदेशियों द्वारा उत्पादित मूल्य (M) को घटा कर प्राप्त किया जाता है।
<p>11. 'सकल घरेलू उत्पाद' के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. इसकी गणना में गैर-नागरिकों द्वारा स्थानीय रूप से उत्पन्न आय को सम्मिलित किया जाता है। 2. इसकी गणना में नागरिकों द्वारा विदेशों से भेजे गए प्रेषण को सम्मिलित किया जाता है। <p>उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?</p>	<p>11. उत्तर -(d)</p> <p>सकल घरेलू उत्पाद (GDP)</p> <ul style="list-style-type: none"> • 'सकल घरेलू उत्पाद' एक विशिष्ट समय पर किसी देश की सीमाओं के भीतर पूरी तरह से उत्पादित सभी अंतिम वस्तुओं और सेवाओं के धन का योग है। • इसमें देश में रहने वाले विदेशियों की आय शामिल होती है। • यह विदेश में रह रहे देश के नागरिकों की आय को बाहर करता है और विदेशों से भेजे गए प्रेषण को भी बाहर करता है।

<p>(a) केवल 1 (b) 1 और 2 दोनों (c) केवल 2 (d) न तो 1, न ही 2</p>	<p>सकल राष्ट्रीय उत्पाद (GNP)</p> <ul style="list-style-type: none"> • एक विशिष्ट अवधि के दौरान नागरिकों द्वारा देश के भीतर और बाहर दोनों में उत्पादित सभी अंतिम वस्तुओं और सेवाओं के धन का योग है। • इसमें प्रेषण शामिल है। • यह गैर-नागरिकों द्वारा स्थानीय रूप से उत्पन्न आय को बाहर करता है। <p>अतिरिक्त ज्ञान:</p> <ul style="list-style-type: none"> • भारत में राष्ट्रीय आय की गणना 'संयुक्त विधि' से की जाती है। यह दो विधियों का संयोजन है - उत्पाद/उत्पादन विधि और आय विधि।
<p>12. भारत में राष्ट्रीय आय की गणना कौन करता है?</p> <p>(a) वित्त मंत्रालय (b) राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (c) भारतीय रिजर्व बैंक (d) इनमें से कोई नहीं</p>	<p>12. उत्तर -(b)</p> <ul style="list-style-type: none"> • भारत के 'राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय' (NSO), सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय राष्ट्रीय आय के अनुमान के लिए नोडल एजेंसी है। • वर्ष 2019 में राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO) बनाने के लिए केन्द्रीय सांख्यिकी संगठन (CSO) को राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय (NSSO) के साथ विलय कर दिया गया था। <p>अतिरिक्त ज्ञान:</p> <ul style="list-style-type: none"> • भारत में 'राष्ट्रीय आय' की गणना का पहला आधिकारिक प्रयास वर्ष 1949 में 'प्रोफेसर पी.सी. महालनोबिस' की अध्यक्षता वाली राष्ट्रीय आय समिति द्वारा किया गया था।
<p>13. 'वैयक्तिक प्रयोज्य आय' के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. इससे तात्पर्य उस धन से है जो करें और अन्य दायित्वों के भुगतान के बाद रहता है। 2. यह मुख्य रूप से व्यक्तियों और परिवारों द्वारा उपभोग और बचत के लिए रहता है। <p>उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?</p> <p>(a) 1 और 2 दोनों (b) केवल 2 (c) न तो 1, न ही 2 (d) केवल 1</p>	<p>13. उत्तर -(a)</p> <ul style="list-style-type: none"> • 'वैयक्तिक प्रयोज्य आय' को वैयक्तिक आय – वैयक्तिक कर अदायगी – गैरकर अदायगी के रूप में लिखा जा सकता है। • 'वैयक्तिक प्रयोज्य आय' से तात्पर्य उस धन से है जो करें और अन्य दायित्वों के भुगतान के बाद रहता है। • यह मुख्य रूप से व्यक्तियों और परिवारों द्वारा उपभोग और बचत के लिए रहता है। <p>अतिरिक्त ज्ञान:</p> <ul style="list-style-type: none"> • 'प्रयोज्य आय' वह आय है, जो किसी व्यक्ति के स्थानीय, राज्य और संघीय करों का भुगतान करने के बाद उसके वेतन में बचा होता है। इसे प्रयोज्य व्यक्तिगत आय या शुद्ध वेतन के रूप में भी जाना जाता है। • एक परिवार की 'प्रयोज्य आय' में आय और बेरोजगारी लाभ और पूंजीगत आय शामिल है।
<p>14. निम्नलिखित में से किसे 'राष्ट्रीय आय लेखांकन' का जन्मदाता माना जाता है?</p> <p>(a) जान मेनार्ड कीन्स</p>	<p>14. उत्तर -(c)</p> <ul style="list-style-type: none"> • 'राष्ट्रीय आय लेखांकन' के अंतर्गत एक वित्तीय वर्ष में किसी देश की अर्थव्यवस्था के कुल आय को मापा जाता है। 'राष्ट्रीय आय

<p>(b) डेविड रिकार्डो (c) साइमन कुजनेट्स (d) एडम स्मिथ</p>	<p>लेखांकन' का जन्मदाता अमेरिकी अर्थशास्त्री 'साइमन कुजनेट्स' को माना जाता है।</p> <p>अतिरिक्त ज्ञान: सकल घरेलू उत्पाद (GDP)</p> <ul style="list-style-type: none"> • 'सकल घरेलू उत्पाद' किसी दिए गए वर्ष में किसी देश के आर्थिक क्षेत्रों में उत्पादित अंतिम वस्तुओं और सेवाओं का कुल धन मूल्य है। • गैर-मौद्रिक सामान और सेवाएं (जैसे गृहिणी द्वारा खाना बनाना) GDP गणना में शामिल नहीं हैं। • आर्थिक लेनदेन का किसी एक वस्तु के लिए प्रायः दुहराव भी होता है। • 'सकल घरेलू उत्पाद' में एक वर्ष के भीतर किसी देश के भीतर उत्पादित सभी वस्तुओं और सेवाओं का मूल्य शामिल होता है।
<p>15. 'संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम' के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. इसकी स्थापना वर्ष 1965 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा की गई थी। 2. इसका मुख्यालय 'जेनेवा' में स्थित है। <p>उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?</p> <p>(a) केवल 1 (b) न तो 1, न ही 2 (c) केवल 2 (d) 1 और 2 दोनों</p>	<p>15. उत्तर -(a) संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP)</p> <ul style="list-style-type: none"> • यह संयुक्त राष्ट्र के वैश्विक विकास का एक नेटवर्क है। • इसकी स्थापना वर्ष 1965 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा की गई थी और जनवरी 1966 में इसने सक्रिय रूप से कार्य करना शुरू किया था। • इसका मुख्यालय 'न्यूयॉर्क' में स्थित है। • यह गरीबी उन्मूलन, असमानता को कम करने हेतु कार्य करता है। • इसके अलावा देश के विकास को बढ़ावा देने के लिये नीतियों, नेतृत्व कौशल, साझेदारी क्षमताओं तथा संस्थागत क्षमताओं को विकसित करने और लचीलापन बनाने में मदद करता है। <p>अतिरिक्त ज्ञान: संयुक्त राष्ट्र (UN)</p> <ul style="list-style-type: none"> • संयुक्त राष्ट्र (UN) वर्ष 1945 में स्थापित एक अंतर्राष्ट्रीय संगठन है। वर्तमान में इसमें शामिल सदस्य राष्ट्रों की संख्या 193 है। • संयुक्त राष्ट्र के मुख्य अंग हैं - <ul style="list-style-type: none"> ○ संयुक्त राष्ट्र महासभा। ○ सुरक्षा परिषद। ○ संयुक्त राष्ट्र आर्थिक एवं सामाजिक परिषद। ○ संयुक्त राष्ट्र न्यास परिषद। ○ अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय। ○ संयुक्त राष्ट्र सचिवालय। • इन सभी 6 अंगों की स्थापना वर्ष 1945 में संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के समय की गई थी।

16. अर्थव्यवस्था के 'प्राथमिक क्षेत्र' के सन्दर्भ निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इसके अंतर्गत अर्थव्यवस्था के प्राकृतिक क्षेत्रों का लेखांकन किया जाता है।
2. इसे प्रायः 'कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र' भी कहा जाता है।
3. इस क्षेत्र में 'गोल्ड कॉलर प्रोफेशनल्स' को शामिल किया जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1 और 3
(b) 1, 2 और 3
(c) केवल 1 और 2
(d) केवल 2 और 3

16. उत्तर -(c)

अर्थव्यवस्था का 'प्राथमिक क्षेत्र'

- अर्थव्यवस्था का वह क्षेत्र जहाँ प्राकृतिक संसाधनों को उत्पादन के रूप में प्राप्त किया जाता है अर्थात् इसके अंतर्गत अर्थव्यवस्था के प्राकृतिक क्षेत्रों का लेखांकन किया जाता है। यह क्षेत्र 'प्राकृतिक क्षेत्र' कहलाता है। इसे 'कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र' भी कहा जाता है। उदाहरण - कृषि और कृषि से संबंधित क्रियाकलाप, खनन, मत्स्यपालन आदि।

अतिरिक्त ज्ञान:

- अर्थव्यवस्था का वह क्षेत्र जो 'प्राथमिक क्षेत्र' के उत्पादों को अपनी गतिविधियों में कच्चे माल की तरह उपयोग करता है, 'द्वितीयक क्षेत्र' कहलाता है। उदाहरण - लोहा इस्पात उद्योग, ऑटोमोबाइल आदि।
- तृतीयक क्षेत्र में विभिन्न प्रकार की सेवाओं का उत्पादन किया जाता है, इसलिए इस क्षेत्र को 'सेवा क्षेत्र' भी कहा जाता है। इस सेक्टर में होने वाली आर्थिक क्रियाओं के द्वारा अमूर्त वस्तुएँ प्रदान की जाती हैं उदाहरण - यातायात, वित्तीय सेवाएँ, प्रबंधन सलाह, सूचना प्रौद्योगिकी आदि।
- चतुर्थक क्षेत्र तृतीयक क्षेत्र का एक उन्नत रूप है, क्योंकि इसमें ज्ञान क्षेत्र से संबंधित सेवाएँ शामिल की जाती हैं। चतुर्थक क्षेत्र से संबंधित सेवाओं में विशेषीकृत ज्ञान, तकनीकी कौशल, प्रबंधकीय कौशल तथा विश्लेषणात्मक समझ का प्रयोग किया जाता है।
- पंचम क्षेत्र उच्च किस्म की सेवाओं से संबंधित है। इस क्षेत्र में गोल्ड कॉलर प्रोफेशनल्स को शामिल किया जाता है, जो अपने-अपने क्षेत्र के उच्च विशेषज्ञ होते हैं। ये अपने से संबंधित क्षेत्रों में नीति-निर्माण, निर्णय-निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

17. अर्थव्यवस्था के 'तृतीयक क्षेत्र' के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इस क्षेत्र में होने वाली आर्थिक क्रियाओं के द्वारा अमूर्त वस्तुएँ प्रदान की जाती हैं।
2. इस क्षेत्र को 'सेवा क्षेत्र' भी कहा जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 2
(b) 1 और 2 दोनों
(c) न तो 1, न ही 2
(d) केवल 1

17. उत्तर -(b)

- अर्थव्यवस्था के 'तृतीयक क्षेत्र' में विभिन्न प्रकार की सेवाओं का उत्पादन किया जाता है, इसलिए इस क्षेत्र को 'सेवा क्षेत्र' भी कहा जाता है। इस सेक्टर में होने वाली आर्थिक क्रियाओं के द्वारा अमूर्त वस्तुएँ प्रदान की जाती हैं। उदाहरण - यातायात, वित्तीय सेवाएँ, प्रबंधन सलाह, सूचना प्रौद्योगिकी आदि।

अतिरिक्त ज्ञान:

- अर्थव्यवस्था का 'पंचम क्षेत्र' उच्च किस्म की सेवाओं से संबंधित है। इस क्षेत्र में गोल्ड कॉलर प्रोफेशनल्स को शामिल किया जाता है, जो अपने-अपने क्षेत्र के उच्च विशेषज्ञ होते हैं। ये अपने से संबंधित क्षेत्रों में नीति-निर्माण, निर्णय-निर्माण में

	महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
<p>18. पूंजीवादी अर्थव्यवस्था के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. इस प्रकार की अर्थव्यवस्था में उत्पादन के साधनों पर सार्वजनिक स्वामित्व पाया जाता है। 2. इसकी विचारधारा 'एडम स्मिथ' की पुस्तक 'द वेल्थ ऑफ नेशंस' में प्रस्तुत की गई थी। <p>उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?</p> <p>(a) केवल 1</p> <p>(b) न तो 1, न ही 2</p> <p>(c) केवल 2</p> <p>(d) 1 और 2 दोनों</p>	<p>18. उत्तर -(c) पूंजीवादी अर्थव्यवस्था</p> <ul style="list-style-type: none"> जिस अर्थव्यवस्था में उत्पादन के साधनों पर निजी स्वामित्व पाया जाता है तथा वस्तुओं एवं सेवाओं का उत्पादन निजी लाभ के लिए किया जाता है, उसे 'पूंजीवादी अर्थव्यवस्था' कहते हैं। पूंजीवादी अर्थव्यवस्था की विचारधारा 'एडम स्मिथ' की पुस्तक 'द वेल्थ ऑफ नेशंस' में वर्ष 1776 में प्रस्तुत की गई थी। <p>अतिरिक्त ज्ञान:</p> <ul style="list-style-type: none"> 'एन इन्क्वायरी इनटू द नेचर एंड कॉजेज ऑफ़ द वेल्थ ऑफ़ नेशंस' को आमतौर पर इसके लघु शीर्षक 'द वेल्थ ऑफ़ नेशंस' द्वारा संदर्भित किया जाता है, जो स्कॉटिश अर्थशास्त्री 'एडम स्मिथ' की उत्कृष्ट कृति है। यह पुस्तक वर्ष 1776 में प्रस्तुत की गई थी।
<p>19. 'समाजवादी अर्थव्यवस्था' के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. इसके अंतर्गत आर्थिक निर्णय सामाजिक कल्याण को ध्यान में रखकर लिए जाते हैं। 2. यहाँ उपभोक्ता की प्रभुता बाधित होती है। <p>उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?</p> <p>(a) केवल 1</p> <p>(b) न तो 1, न ही 2</p> <p>(c) केवल 2</p> <p>(d) 1 और 2 दोनों</p>	<p>19. उत्तर -(d) केंद्रीय नियोजित अर्थव्यवस्था / राज्य अर्थव्यवस्था / समाजवादी अर्थव्यवस्था</p> <ul style="list-style-type: none"> इस प्रकार की अर्थव्यवस्था में आर्थिक क्रियाओं (उत्पादन, उपभोग, निवेश तथा विनिमय) पर सरकार अथवा किसी केंद्रीय संस्था का नियंत्रण होता है। इसके अंतर्गत आर्थिक निर्णय सामाजिक कल्याण को ध्यान में रखकर लिए जाते हैं। इसके अंतर्गत आर्थिक क्रियाएँ सार्वजनिक क्षेत्र में सक्रिय होती हैं। इसके अंतर्गत कौन - कौन सी वस्तुओं का उत्पादन किया जाए, यह निर्णय सरकार द्वारा लिया जाता है, इसलिए यहाँ उपभोक्ता की प्रभुता बाधित होती है। इसमें अधिकतर संसाधनों पर सरकार का नियंत्रण या स्वामित्व होता है। सरकार द्वारा ही बाजार में वस्तुओं का विक्रय मूल्य तय किया जाता है। <p>अतिरिक्त ज्ञान:</p> <ul style="list-style-type: none"> 'समाजवादी अर्थव्यवस्था' के अंतर्गत सभी नागरिकों को वस्तुओं एवं सेवाओं का समान विवरण किया जाता है, जबकि 'साम्यवादी अर्थव्यवस्था' में प्रत्येक व्यक्ति से उसकी क्षमतानुसार कार्य एवं प्रत्येक को उसकी आवश्यकतानुसार प्रतिफल अर्थात वस्तुएँ और सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाती हैं। पूर्व सोवियत संघ की अर्थव्यवस्था को 'समाजवादी अर्थव्यवस्था' कहते हैं जबकि वर्ष 1985 से पहले चीन की

	अर्थव्यवस्था को 'साम्यवादी अर्थव्यवस्था' कहते हैं।
<p>20. नीचे दो वक्तव्य दिए गए हैं, एक कथन (A) और दूसरा कारण (R) है।</p> <p>कथन (A): 'पूँजीवादी अर्थव्यवस्था' में उपभोक्ता का प्रभुत्व होता है।</p> <p>कारण (R): इसके अंतर्गत उत्पादन उपभोक्ता की पसंद के अनुसार किया जाता है।</p> <p>नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए:</p> <p>(a) A तथा R दोनों सही हैं किंतु (R) (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।</p> <p>(b) A तथा R दोनों सही हैं और (A) का सही स्पष्टीकरण (R) है।</p> <p>(c) A असत्य है, किंतु R सत्य है।</p> <p>(d) A सत्य है, किंतु R असत्य है।</p>	<p>20. उत्तर -(b)</p> <ul style="list-style-type: none"> • 'पूँजीवादी अर्थव्यवस्था' के अंतर्गत उत्पादन उपभोक्ता की पसंद के अनुसार किया जाता है, इसलिए यहाँ उपभोक्ता का प्रभुत्व होता है। अतः A तथा R दोनों सही हैं और (A) का सही स्पष्टीकरण (R) है। <div> <p><u>अतिरिक्त ज्ञान:</u></p> <p>पूँजीवादी अर्थव्यवस्था / बाजार अर्थव्यवस्था / स्वतंत्र अर्थव्यवस्था</p> <ul style="list-style-type: none"> • इस प्रकार की अर्थव्यवस्था में आर्थिक क्रियाओं पर बाजारी शक्तियों का नियंत्रण होता है। • इसके अंतर्गत आर्थिक निर्णय लाभ को अधिकतम करने के उद्देश्य से लिए जाते हैं। • इस प्रकार की अर्थव्यवस्था में आर्थिक क्रियाएँ निजी क्षेत्र में सक्रिय होती हैं। • इसके अंतर्गत उत्पादन उपभोक्ता की पसंद के अनुसार किया जाता है, इसलिए यहाँ उपभोक्ता का प्रभुत्व होता है। • इसमें अधिकतर संसाधनों पर निजी क्षेत्रों का नियंत्रण होता है। वस्तुओं और सेवाओं की कीमत बाजार द्वारा (मांग और पूर्ति द्वारा) निर्धारित की जाती है। </div>
<p>21. 'मिश्रित अर्थव्यवस्था' के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. इसके अंतर्गत आर्थिक निर्णय केवल सामाजिक कल्याण को ध्यान में रखकर लिए जाते हैं। 2. इस प्रकार की अर्थव्यवस्था में आर्थिक क्रियाएँ निजी एवं सार्वजनिक दोनों क्षेत्रों में सक्रिय होती हैं। 3. इसमें संसाधनों पर जनता एवं सरकार दोनों का नियंत्रण होता है। <p>उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?</p> <p>(a) दो</p> <p>(b) तीन</p> <p>(c) एक</p> <p>(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं</p>	<p>21. उत्तर -(a)</p> <p>मिश्रित अर्थव्यवस्था</p> <ul style="list-style-type: none"> • मिश्रित अर्थव्यवस्था में आर्थिक क्रियाओं पर सामान्यतया बाजारी शक्तियों का नियंत्रण होता है, लेकिन सरकार द्वारा विनियामक की भूमिका का निर्वहन किया जाता है। • इसके अंतर्गत आर्थिक निर्णय सामाजिक कल्याण तथा अधिकतम लाभ दोनों उद्देश्यों को ध्यान में रखकर लिए जाते हैं। • इस प्रकार की अर्थव्यवस्था में आर्थिक क्रियाएँ निजी एवं सार्वजनिक दोनों क्षेत्रों में सक्रिय होती हैं। • इस प्रकार की अर्थव्यवस्था में उपभोक्ता का प्रभुत्व होता है, परंतु 'सार्वजनिक विवरण प्रणाली' द्वारा सरकार आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति उपभोक्ताओं को सुनिश्चित कर सकती है। • इसमें संसाधनों पर जनता एवं सरकार दोनों का नियंत्रण होता है। वस्तुओं और सेवाओं की कीमत बाजार द्वारा निर्धारित की जाती है, परंतु सरकार आवश्यक वस्तुओं की कीमत नियंत्रण / नियमित करती है। <div> <p><u>अतिरिक्त ज्ञान:</u></p> <ul style="list-style-type: none"> • 'समाजवादी अर्थव्यवस्था' के अन्तर्गत 'प्रयास' और 'नवाचार' को पुरस्कृत किया जाता है। क्योंकि 'समाजवादी अर्थव्यवस्था' इस आधार पर आधारित है कि लोगों को </div>

	अर्थव्यवस्था में उनके व्यक्तिगत योगदान के स्तर के आधार पर प्रतिफल दिया जाएगा।
<p>22. 'आर्थिक संवृद्धि' के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. इससे अभिप्राय निश्चित समय अवधि में किसी अर्थव्यवस्था में होने वाली वास्तविक आय में वृद्धि से है। 2. यह एक अल्पकालीन प्रक्रिया है एवं निश्चित समयावधि के लिए होने वाला परिवर्तन है। 3. 'आर्थिक विकास' की तुलना में यह एक 'संकीर्ण अवधारणा' है। <p>उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?</p> <p>(a) दो (b) तीन (c) एक (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं</p>	<p>22. उत्तर -(b)</p> <p>आर्थिक संवृद्धि (Economic Growth)</p> <ul style="list-style-type: none"> • 'आर्थिक समृद्धि' से अभिप्राय निश्चित समय अवधि में किसी अर्थव्यवस्था में होने वाली वास्तविक आय में वृद्धि से है। • सामान्यतः यदि सकल राष्ट्रीय उत्पाद, सकल घरेलू उत्पाद तथा प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि होती है तो हम कह सकते हैं कि आर्थिक समृद्धि हो रही है। • यह एक अल्पकालीन प्रक्रिया है एवं निश्चित समयावधि के लिए होने वाला परिवर्तन है। • 'आर्थिक विकास' की तुलना में यह एक 'संकीर्ण अवधारणा' है। <p>अतिरिक्त ज्ञान:</p> <ul style="list-style-type: none"> • 'आर्थिक विकास' को मापने के लिए गुणात्मक माप जैसे - मानव विकास सूचकांक, साक्षरता दर, जीवन प्रत्याशा, बेरोजगारी की दर, वैश्विक भूख सूचकांक, वैश्विक खुशहाली सूचकांक आदि का प्रयोग किया जाता है। • 'आर्थिक संवृद्धि' मात्रात्मक कारकों, जैसे - वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद अथवा प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि के द्वारा मापी जाती है।
<p>23. अर्थव्यवस्था के 'सार्वजनिक क्षेत्र' के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. इस क्षेत्र में सरकार द्वारा प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से कंपनियाँ चलाई जाती हैं। 2. 'तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम लिमिटेड' भारत में सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी है। <p>उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?</p> <p>(a) केवल 1 (b) न तो 1, न ही 2 (c) केवल 2 (d) 1 और 2 दोनों</p>	<p>23. उत्तर -(d)</p> <p>सार्वजनिक क्षेत्र (पब्लिक सेक्टर)</p> <ul style="list-style-type: none"> • किसी अर्थव्यवस्था के जिस क्षेत्र में सरकार द्वारा प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से कंपनियाँ चलाई जाती हैं उसे 'सार्वजनिक क्षेत्र' कहते हैं। • आजादी के बाद के शुरुआती दौर में भारत में बहुत गरीबी थी। उस जमाने में निजी उद्यमियों के पास पूँजी की कमी थी। वे मूलभूत वस्तुओं (लोहा, इस्पात, अलुमिनियम, खाद, सीमेंट आदि) के कारखानों में पूँजी लगाने की स्थिति में नहीं थे। आधारभूत संरचना बनाने के लिए भारी पूँजी की जरूरत थी। इसलिए भारत सरकार ने 'पब्लिक सेक्टर' शुरू करने का निर्णय लिया। • भारत में आज पब्लिक सेक्टर में बड़े बड़े उपक्रम हैं, जैसे स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड, ऑयल एंड नैचुरल गैस कमिशन, भारत हेवी इलेक्ट्रिकल लिमिटेड आदि। • 'तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम लिमिटेड' भारत में सार्वजनिक क्षेत्र की सबसे अधिक लाभ अर्जित करने वाली कंपनी है। इसे 14 अगस्त 1956 को एक आयोग के रूप में स्थापित किया गया था।

अतिरिक्त ज्ञान:**संगठित क्षेत्र**

- किसी अर्थव्यवस्था का वह क्षेत्र जिसमें सारी गतिविधियाँ एक निश्चित प्रणाली से होती हैं और जहाँ कानून का पालन होता है उसे अर्थव्यवस्था का 'संगठित क्षेत्र' कहते हैं।
- इस क्षेत्र में श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा होती है। उन्हें देश और उद्योग की प्रचलित परिपाटी के अनुसार मजदूरी मिलती है। उन्हें सरकार की नीतियों के अनुसार सामाजिक सुरक्षा प्रदान की जाती है, जैसे - प्रोविडेंट फंड, लीव एंटाइटलमेंट, मेडिकल बेनिफिट और बीमा आदि।

24. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. जिन अर्थव्यवस्थाओं में आर्थिक विकास या लोगों के रहन-सहन का स्तर काफी नीचे होता है, उसे 'अल्पविकसित अर्थव्यवस्था' कहते हैं।
2. 'जापान' एक अल्पविकसित अर्थव्यवस्था वाला देश है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
(b) 1 और 2 दोनों
(c) न तो 1, न ही 2
(d) केवल 2

24. उत्तर -(a)

- जिन अर्थव्यवस्थाओं में आर्थिक विकास या लोगों के रहन-सहन का स्तर काफी नीचे होता है, उसे 'अल्पविकसित अर्थव्यवस्था' कहते हैं। विश्व बैंक के अनुसार ऐसी अर्थव्यवस्था जिनकी प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय 995 डॉलर या इससे कम है, उन्हें 'अल्पविकसित अर्थव्यवस्था' कहा जाता है। इन अर्थव्यवस्थाओं में विकास का स्तर प्रायः निम्न पाया जाता है, जैसे - सोमालिया, बुरुंडी, चाड, नाइजर इत्यादि।

अतिरिक्त ज्ञान:

- जिन देशों की अर्थव्यवस्था के आर्थिक विकास का स्तर उच्च होता है, उन्हें 'विकसित अर्थव्यवस्था' कहते हैं। विश्व बैंक के अनुसार, वे अर्थव्यवस्थाएँ जहाँ प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय 12,056 डॉलर या उससे अधिक है, उन्हें 'विकसित अर्थव्यवस्था' या 'उच्च आय वर्ग वाली अर्थव्यवस्था' कहा जाता है, जैसे - अमेरिका, ब्रिटेन, स्विट्जरलैंड, जापान इत्यादि।

25. 'खुली अर्थव्यवस्था' के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. ये अर्थव्यवस्थाएँ विश्व के अन्य देशों के साथ वस्तुओं एवं सेवाओं के व्यापार एवं निवेश के लिए स्वतंत्र नहीं होती हैं।
2. ये वे अर्थव्यवस्थाएँ हैं, जिनका अन्य अर्थव्यवस्थाओं के साथ कोई आर्थिक संबंध नहीं होता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 2
(b) केवल 1
(c) न तो 1, न ही 2
(d) 1 और 2 दोनों

25. उत्तर -(c)

- 'खुली अर्थव्यवस्थाएँ' वे अर्थव्यवस्थाएँ होती हैं, जो विश्व के अन्य देशों के साथ वस्तुओं एवं सेवाओं के व्यापार एवं निवेश के लिए स्वतंत्र होती हैं।
- 'बंद अर्थव्यवस्थाएँ' वे अर्थव्यवस्थाएँ हैं, जिनका अन्य अर्थव्यवस्थाओं के साथ कोई आर्थिक संबंध नहीं होता अर्थात् ये अर्थव्यवस्थाएँ विश्व के अन्य देशों के साथ वस्तुओं एवं सेवाओं के व्यापार एवं निवेश के लिए स्वतंत्र नहीं होती हैं।

अतिरिक्त ज्ञान:

- यदि किसी अर्थव्यवस्था के 'सकल घरेलू उत्पाद' में प्राथमिक क्षेत्र अर्थात् कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र का योगदान 50 प्रतिशत या इससे अधिक हो एवं लगभग इसी अनुपात में लोग आजीविका के लिए कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों पर निर्भर हों तो

	<p>उसे 'कृषक अर्थव्यवस्था' कहा जाता है। स्वतंत्रता प्राप्ति के समय भारत एक कृषि आधारित अर्थव्यवस्था वाला देश था।</p>
<p>26. निम्नलिखित में से कौन-सा/से चर 'आर्थिक संवृद्धि' को प्रदर्शित करता/करते हैं/हैं?</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. सकल घरेलू उत्पाद 2. प्रति व्यक्ति आय 3. राष्ट्रीय आय 4. बेरोजगारी की दर <p>कूट:</p> <p>(a) केवल 1, 2 और 3</p> <p>(b) केवल 2, 3 और 4</p> <p>(c) केवल 1, 3 और 4</p> <p>(d) 1, 2, 3 और 4</p>	<p>26. उत्तर -(a)</p> <ul style="list-style-type: none"> • आर्थिक संवृद्धि - समग्र चरों, जैसे - राष्ट्रीय आय, सकल घरेलू उत्पाद, प्रति व्यक्ति आय में परिवर्तन, जिन्हें मापा जा सकता है, ऐसे परिवर्तनों को 'आर्थिक संवृद्धि' कहते हैं। • 'बेरोजगारी की दर' आर्थिक विकास के माप को प्रदर्शित करती है। <p><u>अतिरिक्त ज्ञान:</u> <u>आर्थिक विकास</u></p> <ul style="list-style-type: none"> • आर्थिक संवृद्धि से संबद्ध परिवर्तनों के साथ जब हम अर्थव्यवस्था में गुणात्मक परिवर्तनों व मानवीय सरोकारों जैसे कारकों को भी सम्मिलित कर लेते हैं तो 'आर्थिक विकास' कहते हैं। • 'आर्थिक संवृद्धि' की तुलना में यह एक 'व्यापक अवधारणा' है। • यह एक दीर्घकालीन एवं लगातार चलने वाली प्रक्रिया है।
<p>27. निम्नलिखित में से कितने भारत के मान्यता प्राप्त महारत्न उद्यम हैं?</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (BHEL) 2. भारतीय गैस प्राधिकरण लिमिटेड (GAIL) 3. पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन (PFC) 4. ग्रामीण विद्युतीकरण निगम लिमिटेड (REC) <p>कूट:</p> <p>(a) दो</p> <p>(b) चार</p> <p>(c) एक</p> <p>(d) तीन</p>	<p>27. उत्तर -(b)</p> <p>भारत में महारत्न कंपनियों की सूची 2024</p> <ul style="list-style-type: none"> • कंपनी का नाम - स्थापना वर्ष • भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (BHEL) - 1964 • भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (BPCL) - 1976 • कोल इंडिया लिमिटेड (CIL) - 1975 • भारतीय गैस प्राधिकरण लिमिटेड (GAIL) - 1984 • हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (HPCL) - 1974 • इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (IOCL) - 1959 • राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम (NTPC) - 1975 • तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम (ONGC) - 1956 • पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (पावरग्रिड) - 1989 • स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (SAIL) - 1954 • पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन (PFC) - 1986 • ग्रामीण विद्युतीकरण निगम लिमिटेड (REC) - 1969 • ऑयल इंडिया लिमिटेड (OIL) - 1959 <p><u>अतिरिक्त ज्ञान:</u> <u>महारत्न कंपनी के लिए पात्रता मानदंड</u></p> <ul style="list-style-type: none"> • कंपनी को नवरत्न का दर्जा प्राप्त होना चाहिए। • कंपनी को सेबी नियमों के तहत न्यूनतम निर्धारित सार्वजनिक शेयरधारिता के साथ भारतीय स्टॉक एक्सचेंज में

	<p>सूचीबद्ध किया जाना चाहिए।</p> <ul style="list-style-type: none"> • पिछले 3 वर्षों के दौरान कंपनी का औसत वार्षिक कारोबार 25,000 करोड़ रुपये से अधिक होना चाहिए। • पिछले 3 वर्षों के दौरान कंपनी की औसत वार्षिक शुद्ध संपत्ति 15,000 करोड़ रुपये से अधिक होनी चाहिए। • पिछले 3 वर्षों के दौरान कंपनी का कर पश्चात औसत वार्षिक शुद्ध लाभ 5,000 करोड़ रुपये से अधिक होना चाहिए। • कंपनी की महत्वपूर्ण वैश्विक उपस्थिति और अंतर्राष्ट्रीय परिचालन होना चाहिए।
<p>28. निम्नलिखित में से कौन-सा/से 'आर्थिक संवृद्धि' एवं 'आर्थिक विकास' को प्रभावित करने वाला/वाले कारक है/हैं?</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. प्राकृतिक संसाधनों की उपलब्धता 2. पूंजी निर्माण की दर 3. विदेशी व्यापार की स्थिति एवं नीतियाँ 4. कृषि का विक्रय अधिशेष <p>कूट:</p> <p>(a) 1, 2, 3 और 4</p> <p>(b) केवल 1, 3 और 4</p> <p>(c) केवल 1, 2 और 3</p> <p>(d) केवल 2, 3 और 4</p>	<p>28. उत्तर -(a)</p> <p>'आर्थिक संवृद्धि' एवं 'आर्थिक विकास' को प्रभावित करने वाले कारक</p> <ul style="list-style-type: none"> • प्राकृतिक संसाधनों की उपलब्धता • पूंजी निर्माण की दर • पूंजी उत्पाद अनुपात - उत्पादन की प्रति इकाई पर लगने वाली पूंजी की मात्रा को पूंजी उत्पाद अनुपात कहा जाता है। • कृषि का विक्रय अधिशेष • औद्योगिकीकरण की तीव्र वृद्धि दर • अर्थव्यवस्था में सेवा क्षेत्र की बढ़ती भूमिका • तकनीकी उन्नति • आर्थिक प्रणाली • राजनीतिक कारक • विदेशी व्यापार की स्थिति एवं नीतियाँ • मानव संसाधन • उद्यमशीलता • सामाजिक लागतें <p><u>अतिरिक्त ज्ञान:</u></p> <p><u>आर्थिक विकास</u></p> <ul style="list-style-type: none"> • आर्थिक विकास को समाज के भौतिक कल्याण में निरंतर वृद्धि के रूप में परिभाषित किया जाता है। 'राष्ट्रीय आय' में वृद्धि के अलावा इसमें सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक तथा आर्थिक परिवर्तन भी सम्मिलित होते हैं, जो की भौतिक उन्नति में योगदान देते हैं। • इसमें संसाधनों की आपूर्ति, पूंजी निर्माण की दर, जनसंख्या का आकार और बनावट, प्रौद्योगिकी, कौशल तथा कार्य कुशलता, जीवन स्तर में सुधार, अच्छी शिक्षा प्रणाली, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ आदि शामिल होते हैं। • 'आर्थिक विकास' में आय के समान वितरण की अधिकतम सुनिश्चितता, रोजगार के अवसरों का अधिकाधिक सृजन करना एवं निर्धनता उन्मूलन कार्यक्रमों को पूरा करने का भरपूर प्रयास किया जाता है।

29. नीचे दो वक्तव्य दिए गए हैं, एक कथन (A) और दूसरा कारण (R) है।

कथन (A): किसी भी देश की अर्थव्यवस्था में 'वृद्धिशील पूंजी उत्पाद अनुपात (ICOR)' का कम होना लाभदायक और प्रगतिशील होता है।

कारण (R): 'ICOR' के कम होने से कम पूंजी एवं निवेश से अधिक उत्पादन प्राप्त होता है।

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए:

(a) A तथा R दोनों सही हैं किंतु (R) (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

(b) A असत्य है, किंतु R सत्य है।

(c) A तथा R दोनों सही हैं और (A) का सही स्पष्टीकरण (R) है।

(d) A सत्य है, किंतु R असत्य है।

29. उत्तर -(c)

- किसी भी देश की अर्थव्यवस्था में 'वृद्धिशील पूंजी उत्पाद अनुपात (ICOR)' का कम होना लाभदायक और प्रगतिशील होता है। ऐसी स्थिति में कम पूंजी एवं निवेश से अधिक उत्पादन प्राप्त होता है। अतः A तथा R दोनों सही हैं और (A) का सही स्पष्टीकरण (R) है।

अतिरिक्त ज्ञान:

- वृद्धिशील पूंजी उत्पादन अनुपात अर्थव्यवस्था में किए गए निवेश के स्तर और GDP में परिणामी वृद्धि के बीच संबंध को बताता है। यह उत्पादन की अगली इकाई उत्पन्न करने के लिए किसी देश या अन्य इकाई के लिए आवश्यक निवेश पूंजी की सीमांत राशि का आकलन करता है।

30. 'मानव विकास सूचकांक' के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इसे 'संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम' द्वारा जारी किया जाता है।

2. पहला 'मानव विकास सूचकांक' वर्ष 1990 में जारी किया गया था।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) 1 और 2 दोनों

(b) न तो 1, न ही 2

(c) केवल 2

(d) केवल 1

30. उत्तर -(a)

- संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) द्वारा पहला 'मानव विकास सूचकांक' वर्ष 1990 में जारी किया गया था।
- संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) द्वारा 'मानव विकास सूचकांक' की गणना 3 संकेतकों - जन्म के समय जीवन प्रत्याशा, स्कूली शिक्षा के औसत वर्ष एवं अपेक्षित वर्ष और प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय द्वारा की जाती है।

अतिरिक्त ज्ञान:

मानव विकास सूचकांक (HDI)

- मानव विकास ही सभी आर्थिक गतिविधियों का अंतिम लक्ष्य है। जहाँ आर्थिक संवृद्धि को सामान्यतया सकल राष्ट्रीय उत्पाद के रूप में पाया जाता है, वहीं मानव विकास की माप करना बहुत मुश्किल है, क्योंकि इसके कई आयाम हैं।
- इसके लिए संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) ने वर्ष 1990 में प्रकाशित अपनी पहली 'Human Development Report' (HDR) में मानव विकास सूचकांक की संकल्पना प्रस्तुत की थी।
- 'मानव विकास सूचकांक' मानव विकास की एक माप है। यह किसी भी देश के मानव विकास के संदर्भ में निम्नलिखित मूलभूत आयामों की माप करता है -
 - जीवन प्रत्याशा
 - स्कूली शिक्षा के अपेक्षित वर्ष, शिक्षा के औसत वर्ष
 - प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय

'मानव विकास सूचकांक' को ज्ञात करने के लिए इन तीनों आयामों के लिए आकलित सूचकांकों की ज्यामितीय माध्य ली जाती है। इसका

मान 0 और 1 के बीच होता है। ध्यातव्य है कि किसी राष्ट्र के लिए यह मान 0 या 0 के आस - पास होना खराब स्थिति या कम विकास का द्योतक है, जबकि 1 या 1 के आस-पास बेहतर स्थिति या उच्च व संतुलित विकास का द्योतक होता है।

31. निम्नलिखित कौन-सी किसी देश की 'राष्ट्रीय आय' की गणना में सम्मिलित की जाने वाली मद/मदें है/हैं?

- सरकार द्वारा नागरिकों को प्रदान की जाने वाली निःशुल्क सेवाएँ
- भविष्य निधि कोष में मालिकों द्वारा किया गया अंशदान
- विदेशों में स्थिति भारतीय बैंकों की शाखाओं द्वारा अर्जित लाभ
- सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के विनिवेश से प्राप्त राशि

कूट:

- (a) केवल 2 और 3
(b) केवल 1, 2 और 3
(c) केवल 1, 3 और 4
(d) केवल 3 और 4

31. उत्तर -(b)

'राष्ट्रीय आय' की गणना में सम्मिलित की जाने वाली मदें

- राष्ट्रीय आय की गणना करने वाले वित्तीय वर्ष में उत्पादित अंतिम वस्तुओं एवं सेवाओं का मौद्रिक मूल्य
- अप्रयुक्त मध्यवर्ती वस्तुओं का स्टॉक तथा गणना वर्ष में किसी उत्पादित परंतु उस वित्तीय वर्ष में न बिका स्टॉक
- मकान मालिक द्वारा स्व - आवास हेतु प्रयोग में लाये जाने वाले मकान का आरोपित किराया
- ब्रोकर्स कमीशन
- सरकार द्वारा नागरिकों को प्रदान की जाने वाली निःशुल्क सेवाएँ
- सैनिक एवं सुरक्षा सेवाओं पर किया गया व्यक्त
- कंपनियों द्वारा दिया जाने वाला लाभांश
- भविष्य निधि कोष में मालिकों द्वारा किया गया अंशदान
- संसद सदस्यों को दिया जाने वाला भत्ता
- विदेशी पर्यटकों द्वारा भारत में किया गया व्यय
- विदेशों में स्थिति भारतीय बैंकों की शाखाओं द्वारा अर्जित लाभ।

नोट- मूल्य ह्रास या पूंजी का उपभोग सकल उत्पाद में शामिल होता है, परंतु शुद्ध राष्ट्रीय आय में शामिल नहीं होता।

अतिरिक्त ज्ञान:

राष्ट्रीय आय में सम्मिलित नहीं की जाने वाली मदें

- नई या पुरानी वस्तुएँ जो उस वित्तीय वर्ष में उत्पादित नहीं हैं
- विदेशों से प्राप्त उपहार
- वित्तीय सौदे, शेयर, ऋणपत्र आदि का क्रय - विक्रय चाहे ये शेयर या ऋणपत्र राष्ट्रीय आय के आकलन वाले वर्ष में ही निर्गमित क्यों न हों
- पूंजीगत लाभ या हानि एवं एवं अप्रत्याशित लाभ
- एक गृहस्थ परिवार द्वारा अवकाश में अपने बगीचे में उत्पादित फल एवं सब्जियाँ
- किसी फर्म द्वारा रखे गए स्टॉक की कीमतों में वृद्धि
- उत्पादन में प्रयुक्त मध्यवर्ती वस्तुओं का मूल्य
- एक होटल द्वारा क्रय की गयी सब्जियाँ एवं अन्य उत्पाद
- किसी लॉटरी में जीता गया ईनाम या धनराशि
- भारत में विदेशी बैंकों द्वारा अर्जित लाभ
- वैज्ञानिक खोजों में प्रयोग की जाने वाली वस्तुएँ
- सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के विनिवेश से प्राप्त राशि
- एक गृहस्थ द्वारा अपने घर पर किये जाने वाले कार्य या सेवाएँ

	<ul style="list-style-type: none"> • भविष्य निधि कोष में स्वयं कर्मचारियों द्वारा किया गया अंशदान • एक फर्म द्वारा दूसरी फर्म को दिया जाने वाला लाभांश • हस्तांतरण भुगतान एवं प्राप्तियाँ, जैसे - वृद्धावस्था पेंशन, छात्रवृत्ति, बेरोजगारी भत्ता इत्यादि।
<p>32. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. वर्ष 1949 में 'प्रो. पी. सी.महालनोबिस' की अध्यक्षता से 'राष्ट्रीय आय समिति' का गठन किया गया था। 2. वर्तमान में राष्ट्रीय आय संबंधित आँकड़े 'राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय' द्वारा संकलित एवं जारी किये जाते हैं। <p>उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?</p> <p>(a) केवल 1</p> <p>(b) न तो 1, न ही 2</p> <p>(c) केवल 2</p> <p>(d) 1 और 2 दोनों</p>	<p>32. उत्तर -(d)</p> <ul style="list-style-type: none"> • स्वतंत्र भारत में 'राष्ट्रीय आय' का सबसे पहला सरकारी अनुमान 1948-49 में 'वाणिज्य मंत्रालय' द्वारा दिया गया था। • वर्ष 1949 में 'प्रो. पी. सी.महालनोबिस' की अध्यक्षता से 'राष्ट्रीय आय समिति' का गठन किया गया। इस समिति ने अप्रैल 1951 में वित्तीय वर्ष 1948 - 49 के लिए देश की राष्ट्रीय आय ₹ 8650 करोड़ तथा प्रति व्यक्ति आय ₹246.9 बताई थी। • वर्तमान में राष्ट्रीय आय संबंधित आँकड़े 'राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय' द्वारा संकलित एवं जारी किये जाते हैं। <div style="border: 1px solid black; padding: 5px; margin-top: 10px;"> <p>अतिरिक्त ज्ञान: स्वतंत्रता प्राप्ति से पूर्व भारत में राष्ट्रीय आय संबंधी अनुपात व्यक्ति / संस्था - वर्ष - प्रति व्यक्ति राष्ट्रीय आय (रुपया में)</p> <ul style="list-style-type: none"> • दादाभाई नौरोजी - 1868 - 20 • मेजर एल्विन बेरिंग और डेविड बैलफर - 1882 - 27 • लॉर्ड कर्ज़न - 901- 30 • विलियम डिग्बी - 1899 - 18 • फिण्डले शिराज - 1911 - 49 • वाडिया तथा जोशी - 1913-14 - 44.30 • वी. के. आर. वी राव - 1931-32 - 62 </div>
<p>33. निम्नलिखित में से कौन-सा/से भारतीय अर्थव्यवस्था का/के मूल लक्षण है/हैं?</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. कम प्रति व्यक्ति आय 2. गरीबी और असमानता 3. बुनियादी ढांचे की कमी 4. जनसंख्या वृद्धि की निम्न दर <p>कूट:</p> <p>(a) केवल 2 और 3</p> <p>(b) केवल 1, 2 और 3</p> <p>(c) केवल 3 और 4</p> <p>(d) केवल 1, 3 और 4</p>	<p>33. उत्तर -(b)</p> <p>भारतीय अर्थव्यवस्था के मूल लक्षण</p> <ul style="list-style-type: none"> • कम प्रति व्यक्ति आय • कृषि और प्राथमिक पर अत्यधिक निर्भरता उत्पादन • आर्थिक संगठन का अपर्याप्त विकास • जनसंख्या वृद्धि की उच्च दर • गरीबी और असमानता • बुनियादी ढांचे की कमी • जीवन का निम्न स्तर <div style="border: 1px solid black; padding: 5px; margin-top: 10px;"> <p>अतिरिक्त ज्ञान:</p> <ul style="list-style-type: none"> • भारत के सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में सबसे अधिक योगदान तृतीयक क्षेत्रक (लगभग 54%) का है तथा सबसे कम योगदान प्राथमिक क्षेत्रक (लगभग 13%) का है। किन्तु रोज़गार के संदर्भ में इसकी एकदम विपरीत स्थिति है। सबसे </div>

अधिक नियोक्ता प्राथमिक क्षेत्र में लगे हैं। इसका प्रमुख कारण यह है कि द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्रक में रोजगार के पर्याप्त अवसर का सृजन नहीं हुआ है। परिणामतः देश में आधे से अधिक श्रमिक प्राथमिक क्षेत्रक, मुख्यतः कृषि क्षेत्र में लगे हुए हैं। इसकी तुलना में द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्रक का जी.डी.पी. में हिस्सा तीन-चौथाई है परन्तु ये क्षेत्र आधे से भी कम लोगों को रोजगार प्रदान करते हैं।

34. 'संयुक्त राष्ट्र सतत् विकास समाधान नेटवर्क' के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इसकी स्थापना 2015 में संयुक्त राष्ट्र महासचिव के तत्वावधान में की गई थी।
2. यह पेरिस जलवायु समझौते के कार्यान्वयन के लिए व्यावहारिक समाधानों को बढ़ावा देने के लिए वैश्विक वैज्ञानिक और तकनीकी विशेषज्ञता जुटाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) 1 और 2 दोनों
(b) न तो 1, न ही 2
(c) केवल 2
(d) केवल 1

34. उत्तर -(c)

संयुक्त राष्ट्र सतत् विकास समाधान नेटवर्क

- वर्ष 2012 में लॉन्च किया गया 'सतत् विकास समाधान नेटवर्क' (SDSN) सतत् विकास लक्ष्यों (SDG) और पेरिस जलवायु समझौते से संबंधित व्यावहारिक समस्या को हल करने हेतु वैश्विक स्तर पर वैज्ञानिक और तकनीकी विशेषज्ञता प्रदान करता है।
- इसे संयुक्त राष्ट्र महासचिव के तत्वावधान में स्थापित किया गया था।
- यह संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों, बहुपक्षीय वित्तपोषण संस्थानों, निजी क्षेत्र और नागरिक समाज के साथ मिलकर काम करता है।

अतिरिक्त ज्ञान:

पेरिस समझौता

- यह जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय समझौता है।
- 30 नवंबर से 11 दिसंबर 2015 तक, 195 देशों की सरकारें पेरिस, फ्रांस (COP 21) में एकत्रित हुईं और जलवायु परिवर्तन पर एक संभावित नए वैश्विक समझौते पर चर्चा की, जिसका उद्देश्य वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करना और इस प्रकार खतरनाक जलवायु परिवर्तन के खतरे को कम करना है।
- 29 लेखों वाले 32 पेज के पेरिस समझौते को ग्लोबल वार्मिंग को रोकने के लिए एक ऐतिहासिक समझौते के रूप में व्यापक रूप से मान्यता प्राप्त है।

35. सूची I (पुस्तक) को सूची II (लेखक) से सुमेलित कीजिये:

सूची I	सूची II
A. द वेल्थ ऑफ नेशन	1. अमर्त्य सेन
B. रेशनलिटी एंड फ्रीडम	2. जे. एम. कीन्स
C. इंडियन करेंसी एंड फाइनेंस	3. एडम

35. उत्तर -(a)

- पुस्तक - लेखक
- द वेल्थ ऑफ नेशन - एडम स्मिथ
- रेशनलिटी एंड फ्रीडम - अमर्त्य सेन
- इंडियन करेंसी एंड फाइनेंस - जे. एम. कीन्स
- द प्रिंसिपल्स ऑफ पोलिटिकल इकॉनमी एंड टैक्सेशन - डेविड रिकार्डो

अतिरिक्त ज्ञान:

- 'कर GDP अनुपात' किसी देश के सकल घरेलू उत्पाद

	स्मिथ
D. द प्रिंसिपल्स ऑफ़ पोलिटिकल इकॉनमी एंड टैक्सेशन	4. डेविड रिकार्डो

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए:

- (a) A-3, B-1, C-2, D-4
(b) A-3, B-2, C-1, D-4
(c) A-4, B-1, C-2, D-3
(d) A-4, B-2, C-1, D-3

(GDP) के सापेक्ष उसके कर राजस्व का अनुपात है। उदाहरण के लिये, यदि भारत का टैक्स-टू-GDP अनुपात 15% है, तो इसका मतलब है कि सरकार को अपने सकल घरेलू उत्पाद का 15% कर योगदान के रूप में मिलता है।

- 'कर GDP अनुपात' का उपयोग वर्ष-दर-वर्ष कर प्राप्तियों की तुलना करने के लिये किया जाता है। चूँकि कर आर्थिक गतिविधि से संबंधित हैं इसलिये अनुपात अपेक्षाकृत स्थिर रहना चाहिये। जब सकल घरेलू उत्पाद (GDP) बढ़ता है, तो कर राजस्व में भी वृद्धि होनी चाहिये।
- आर्थिक मंदी के परिणामस्वरूप विकास की दर कम होती है, जहाँ आमतौर पर बेरोज़गारी बढ़ती है और उपभोक्ता खर्च घटता है। नतीजतन, टैक्स - टू - GDP अनुपात में गिरावट आती है। अतः कथन 1 सही है।
- राष्ट्रीय आय का असमान वितरण सीधे तौर पर GDP अनुपात में कर में कमी से संबंधित नहीं है।
- राष्ट्रीय आय और संसाधन आवंटन का समान वितरण आमतौर पर किसी देश की आर्थिक योजना पर निर्भर करता है। अतः कथन 2 सही नहीं है।

36. 'अंतर्राष्ट्रीय खुशहाली दिवस' के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह दिवस प्रत्येक वर्ष 20 मार्च को मनाया जाता है।
2. संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष 2013 में इस दिवस मनाने की शुरुआत की गई थी।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) न तो 1, न ही 2
(b) 1 और 2 दोनों
(c) केवल 2
(d) केवल 1

36. उत्तर -(b)

अंतर्राष्ट्रीय खुशहाली दिवस

- प्रत्येक वर्ष 20 मार्च को मनुष्य के जीवन में खुशहाली के महत्त्व को इंगित करने हेतु अंतर्राष्ट्रीय खुशहाली दिवस का आयोजन किया जाता है।
- संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष 2013 में 'अंतर्राष्ट्रीय खुशहाली दिवस' मनाने की शुरुआत की गई थी लेकिन जुलाई, 2012 में इसके लिये एक प्रस्ताव पारित किया गया था।
- पहली बार खुशहाली दिवस का संकल्प भूटान द्वारा लाया गया था, जिसमें वर्ष 1970 के दशक की शुरुआत से राष्ट्रीय आय के बजाय राष्ट्रीय खुशी के महत्त्व पर ज़ोर दिया गया तथा सकल राष्ट्रीय उत्पाद (GNP) पर सकल राष्ट्रीय खुशहाली (GNH) को अपनाया गया।

अतिरिक्त ज्ञान:

- वैश्विक लैंगिक अंतराल रिपोर्ट, विश्व आर्थिक मंच (World Economic Forum's - WEF) द्वारा जारी की जाती है, यह स्वास्थ्य, शिक्षा, अर्थव्यवस्था और राजनीति के क्षेत्र में महिलाओं एवं पुरुषों के मध्य सापेक्ष अंतराल में हुई प्रगति का आकलन कर विश्व के देशों की रैंक जारी करता है।

37. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. 'मानव पूंजी' कौशल, शिक्षा, क्षमता और श्रम की

37. उत्तर -(d)

मानव पूंजी

विशेषताओं की एक माप है, जो उनकी उत्पादक क्षमता और कमाई क्षमता को प्रभावित करती है।

2. 'मानव पूंजी' का निर्माण आंशिक रूप से एक सामाजिक प्रक्रिया है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 2
- (b) न तो 1, न ही 2
- (c) केवल 1
- (d) 1 और 2 दोनों

- 'मानव पूंजी' कौशल, शिक्षा, क्षमता और श्रम की विशेषताओं की एक माप है, जो उनकी उत्पादक क्षमता और कमाई क्षमता को प्रभावित करती है।
- व्यक्तिगत मानव पूंजी, व्यक्तिगत श्रमिकों का कौशल और क्षमता है।
- मानव पूंजी का निर्माण आंशिक रूप से एक सामाजिक प्रक्रिया है, जबकि भौतिक पूंजी का निर्माण एक आर्थिक व तकनीकी प्रक्रिया है।

अतिरिक्त ज्ञान:

- जब शिक्षा, प्रशिक्षण और चिकित्सीय सेवाओं में निवेश किया जाता है तो जनसंख्या 'मानव पूंजी' में बदल जाती है। जब इस विद्यमान मानव संसाधन को और अधिक शिक्षा तथा स्वास्थ्य के द्वारा विकसित किया जाता है, तब हम इसे मानव पूंजी (Human capital) निर्माण कहते हैं जो भौतिक पूंजी निर्माण की ही भाँति देश की उत्पादक शक्ति में वृद्धि करता है।
- मानव पूंजी में निवेश (शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रशिक्षण) भौतिक पूंजी की ही भाँति प्रतिफल प्रदान करता है। अधिक शिक्षित या बेहतर प्रशिक्षित लोगों की उच्च उत्पादकता के कारण होने वाली अधिक आय और साथ ही अच्छे स्वस्थ लोगों की उच्च उत्पादकता के रूप में इसे प्रत्यक्षतः देखा जा सकता है।

38. 'विश्व प्रसन्नता सूचकांक' के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह एक वार्षिक रिपोर्ट है जो विश्व के देशों का मूल्यांकन इस आधार पर करती है कि उनके नागरिक खुद को कितना संतुष्ट और समृद्ध मानते हैं।
2. इसे 'विश्व आर्थिक मंच' द्वारा जारी किया जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 2
- (b) 1 और 2 दोनों
- (c) केवल 1
- (d) न तो 1, न ही 2

38. उत्तर -(c)

विश्व प्रसन्नता सूचकांक

- 'विश्व प्रसन्नता सूचकांक' एक वार्षिक रिपोर्ट है जो विश्व के देशों का मूल्यांकन इस आधार पर करती है कि उनके नागरिक खुद को कितना संतुष्ट और समृद्ध मानते हैं।
- इसे 'संयुक्त राष्ट्र सतत विकास समाधान नेटवर्क' द्वारा जारी किया जाता है।
- 'सतत विकास समाधान नेटवर्क' विश्व भर में सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 2012 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा शुरू की गई एक वैश्विक पहल है।

अतिरिक्त ज्ञान:

- 'मानव पूंजी सूचकांक' विश्व आर्थिक मंच द्वारा निर्गत किया जाता है।
- इस रिपोर्ट में 130 देशों में चार प्रमुख क्षेत्रों (क्षमता, तैनाती, विकास और ज्ञान) को पांच अलग-अलग आयु समूहों के बीच किसी देश की पूर्ण मानव पूंजी क्षमता का आंकलन करने हेतु मापा जाता है।
- 'विश्व आर्थिक मंच' एक स्विस गैर-लाभकारी संस्थान है जिसकी स्थापना वर्ष 1971 में जिनेवा (स्विट्ज़रलैंड) में हुई थी।

39. वर्तमान में भारत में 'सकल घरेलू उत्पाद' (GDP) की गणना के लिये आधार वर्ष है -

- (a) वर्ष 2011-12
- (b) वर्ष 2014-15
- (c) वर्ष 2017-18
- (d) वर्ष 2020-21

39. उत्तर -(a)

- राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO) देश में सकल घरेलू उत्पाद (GDP) की गणना के लिये आधार वर्ष को 2011-12 से बदलकर 2017-18 करने पर विचार कर रहा है। वर्तमान में भारत 2011-12 को आधार वर्ष के रूप में प्रयोग कर रहा है।

अतिरिक्त ज्ञान:

- 'आधार वर्ष' एक प्रकार का बेंचमार्क होता है जिसके संदर्भ में राष्ट्रीय आँकड़े जैसे - सकल घरेलू उत्पाद (GDP), सकल घरेलू बचत और सकल पूंजी निर्माण आदि की गणना की जाती है।
- 'आधार वर्ष' की कीमतें स्थिर मानी जाती हैं, जबकि चालू वर्ष की कीमतों में परिवर्तन संभव होता है।
- सामान्यतः आधार वर्ष एक प्रतिनिधि वर्ष होता है और उसके चुनाव के समय ध्यान रखा जाता है कि उस वर्ष में कोई बड़ी आर्थिक व प्राकृतिक घटना, जैसे - बाढ़, सूखा या भूकंप आदि न घटित हुई हो।
- आधार वर्ष का चुनाव करते समय यह भी ध्यान रखा जाता है वह चालू वर्ष के निकट ही हो, ताकि अर्थव्यवस्था की सही स्थिति का आकलन किया जा सके। गौरतलब है कि इस आवश्यकता का ध्यान रखते हुए देश में प्रत्येक 7 से 10 वर्षों में आधार वर्ष को बदला जाता है।

40. 'हरित जीडीपी' एक शब्द है जिसका उपयोग वर्णन करने के लिए किया जाता है -

- (a) सकल घरेलू उत्पाद का प्रतिशत जो सरकार हरित पहल पर खर्च कर रही है।
- (b) पर्यावरणीय क्षति के समायोजन के बाद किसी देश की जीडीपी।
- (c) मौद्रिक संदर्भ में वनों और अन्य प्राकृतिक संसाधनों का सकल घरेलू उत्पाद में योगदान।
- (d) सकल घरेलू उत्पाद में नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र का योगदान।

40. उत्तर -(b)

- हरित सकल घरेलू उत्पाद (ग्रीन GDP) आर्थिक विकास का एक सूचकांक है जिसमें विकास के पर्यावरणीय परिणामों को देश की पारंपरिक GDP में सम्मिलित किया जाता है।
- यह जैव विविधता के नुकसान का मुद्दीकरण करती है, और जलवायु परिवर्तन के कारण होने वाली लागत का हिसाब रखती है।

अतिरिक्त ज्ञान:

- संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के अनुसार 'ग्रीन GDP' का मतलब जैविक विविधता की कमी और जलवायु परिवर्तन के कारणों को मापना है।
- 'ग्रीन GDP' का मतलब पारंपरिक सकल घरेलू उत्पाद के उन आँकड़ों से है, जो आर्थिक गतिविधियों में पर्यावरणीय तरीकों को स्थापित करते हैं।
- किसी देश की 'ग्रीन GDP' से आशय है कि वह देश सतत विकास की दिशा में आगे बढ़ने के लिये किस हद तक तैयार है। इसका अर्थ यह है कि हरित GDP पारंपरिक GDP का प्रति व्यक्ति कचरा और कार्बन के उत्सर्जन का पैमाना है।
- हरित अर्थव्यवस्था वह होती है जिसमें सार्वजनिक और

निजी निवेश करते समय इस बात को ध्यान में रखा जाए कि कार्बन उत्सर्जन और प्रदूषण कम से कम हो, ऊर्जा और संसाधनों की प्रभावोत्पादकता बढ़े तथा जो जैव विविधता और पर्यावरण प्रणाली की सेवाओं के नुकसान कम करने में मदद करे।

MakeIAS